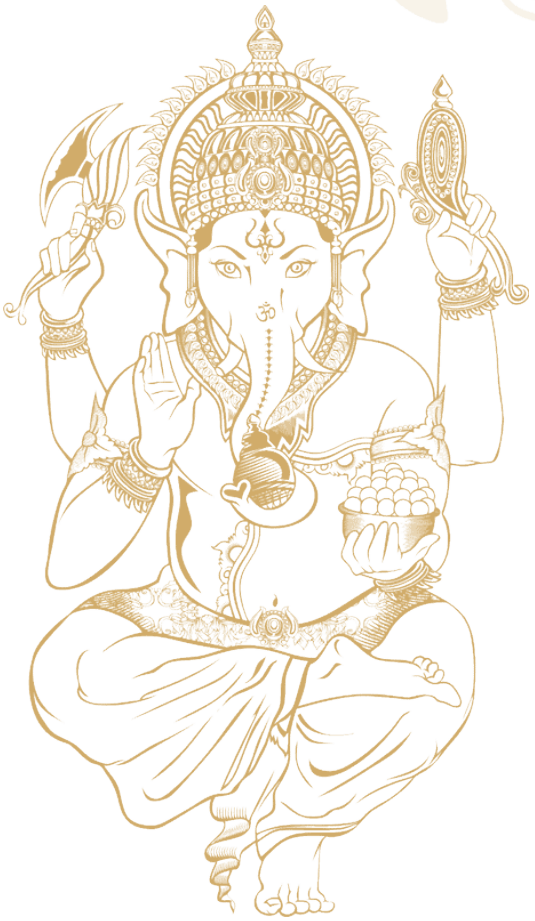

Tarun

Yogita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121051805

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/01/2000	जन्म तिथि	17/06/2000
शनि-रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 06:45:00	जन्म समय	07:29:00 घंटे
घटी 58:40:41	जन्म समय(घटी)	03:59:20 घटी
India	देश	India
Vadodara	स्थान	Durg
22:19:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
73:14:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:04	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:16:43	सूर्योदय	05:23:10
18:04:41	सूर्यास्त	18:48:02
23:51:12	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:33

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 8वर्ष 8मा 10दि	08:40:00	धनु	लग्न	मिथु	29:43:46	केतु 4वर्ष 11मा 5दि
शनि	17:04:43	धनु	सूर्य	मिथु	02:19:54	सूर्य
12/09/2008	26:05:11	तुला	चंद्र	धनु	03:56:19	23/05/2025
13/09/2027	04:32:18	कुंभ	मंगल	मिथु	06:31:05	24/05/2031
शनि 16/09/2011	08:53:46	धनु	बुध	मिथु	24:36:48	सूर्य 10/09/2025
बुध 26/05/2014	01:25:22	मेष	गुरु	वृष	03:17:20	चन्द्र 12/03/2026
केतु 05/07/2015	08:22:49	वृश्चि	शुक्र	मिथु	03:52:31	मंगल 17/07/2026
शुक्र 03/09/2018	16:31:54	मेष व	शनि	वृष	01:13:45	राहु 11/06/2027
सूर्य 16/08/2019	10:04:06	कर्क व	राहु व	कर्क	00:52:28	गुरु 29/03/2028
चन्द्र 17/03/2021	10:04:06	मक व	केतु व	मक	00:52:28	शनि 11/03/2029
मंगल 26/04/2022	20:59:02	मक	हर्ष व	मक	26:45:35	बुध 16/01/2030
राहु 02/03/2025	09:21:34	मक	नेप व	मक	12:18:55	केतु 24/05/2030
गुरु 13/09/2027	17:37:15	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:16:20	शुक्र 24/05/2031

लग्न-चलित

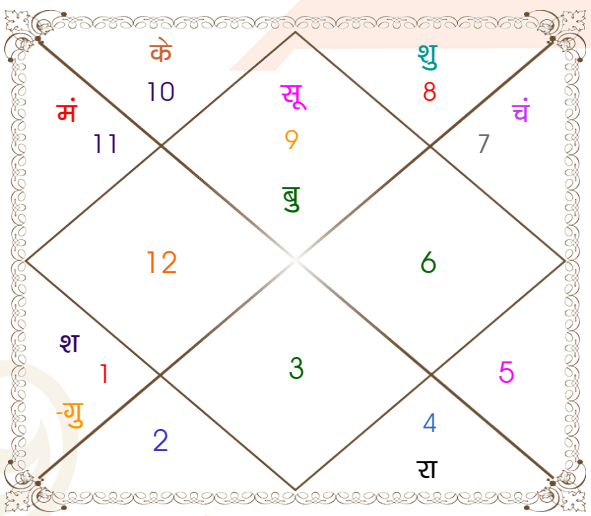

लग्न-चलित

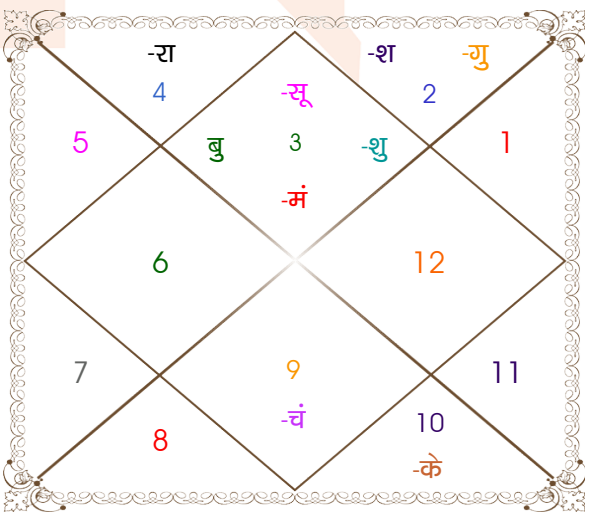

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Tarun का वर्ग सर्प है तथा Yogita का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Tarun और Yogita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Tarun मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Yogita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Tarun कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Tarun तथा Yogita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।